अलविदा

‘ही–मैन’ जिसे बॉलीवुड हमेशा याद रखेगा

बॉलीवुड का वह सितारा, जिसकी मुस्कान में अपनापन था, आवाज़ में मिठास थी और पर्दे पर मौजूदगी किसी भी दृश्य को जीवित कर देती थी धर्मेंद्र अब इस दुनिया में नहीं रहे. 24 नवंबर की सुबह, 89 वर्ष की उम्र में, उन्होंने मुंबई स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली. उनके जाने की खबर ने सिर्फ इंडस्ट्री को ही नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों के दिलों में एक खालीपन छोड़ दिया है. धर्मेंद्र सिर्फ एक अभिनेता नहीं थे वे पंजाब की मिट्टी की सादगी, बॉलीवुड के स्वर्ण युग की चमक, और एक आम इंसान के दिल का जज़्बा थे.

धर्मेंद्र का जन्म पंजाब के साहनेवाल गाँव में हुआ था. एक बेहद सरल परिवार में पले-बढ़े धर्मेंद्र अपने स्कूल के दिनों से ही फिल्मों के दीवाने थे. अपने संघर्ष के शुरुआती दौर में वे नौकरी के साथ ऑडिशन तक देते थे. 1960 में आई उनकी पहली फिल्म ‘दिल भी तेरा हम भी तेरे’ ने भले बॉक्स ऑफिस पर बहुत कुछ न किया हो, लेकिन इसने एक बात साफ कर दी कि यह लड़का पर्दे पर अलग दिखता है. जल्द ही उद्योग में उनका नाम मेहनती और अनुशासित कलाकार के रूप में फैलने लगा. उनकी कद-काठी, चेहरा, और सहज एक्टिंग ने उन्हें उस दौर के ‘चॉकलेट बॉय’ से कुछ अलग ठहराया. धीरे-धीरे उन्होंने रोमांस से लेकर एक्शन, कॉमेडी और इमोशनल ड्रामा तक हर शैली में अपनी जगह बना ली. यहीं से उन्हें मिला अनोखा खिताब –बॉलीवुड का ही-मैन.

उनके करियर ने पाँच पीढ़ियों को जोड़ा, और उनकी निजी जिंदगी ने लोगों को यह विश्वास दिलाया कि असली सितारा वही है जो प्रसिद्धि के बीच भी इंसानियत बनाए रखे. उनकी आँखों की चमक, उनकी आवाज़ की गर्माहट और उनके व्यवहार की विनम्रता ने उन्हें वह दर्जा दिया जिसे सिर्फ ‘सुपरस्टार’ नहीं कहा जा सकता वे लोगों के दिलों के हीरो थे.

हिट फिल्मों का सुनहरा सफर

धर्मेंद्र की फिल्में सिर्फ हिट नहीं थीं वे उस दौर की पहचान थीं. उनकी फिल्मोग्राफी सिनेमा के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है.

- शोले (1975) वीरू का सबसे प्यारा रूप
  ‘बसंती... इन कुत्तों के सामने मत नाचना.’
  फिल्म इतिहास की सबसे यादगार फिल्मों में ‘शोले’ का नाम सबसे ऊपर आता है. वीरू का किरदार आज भी दर्शकों की धड़कनों में बसता है.
- फूल और पत्थर – स्टार बनने की शुरुआत
  इस फिल्म ने उन्हें पहली बार वह लोकप्रियता दिलाई जिसने उन्हें इंडस्ट्री का भरोसेमंद हीरो बना दिया.
- सीता और गीता, शराफत, आया सावन झूम के– रोमांटिक स्टार की पहचान
  हेमा मालिनी के साथ उनकी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री अद्भुत थी.

इन फिल्मों ने उनकी रेंज को साबित किया.

- धरम वीर, हुकूमत – एक्शन का असली ‘ही–मैन’
  उनकी मजबूत स्क्रीन प्रेज़ेंस और स्टाइल ने दर्शकों को दीवाना बनाया.
  ‘हुकूमत’ उस दौर की सबसे बड़ी एक्शन फिल्मों में से एक थी.
- चुपके–चुपके – कॉमिक टाइमिंग की मास्टरक्लास
  इस फिल्म ने यह साबित कर दिया कि वे सिर्फ माचो हीरो नहीं, बल्कि बारीक कॉमेडी में भी सक्षम हैं.
- जीवन मृत्यु, अनपढ़ – संवेदनशील अभिनेता का चेहरा– धर्मेंद्र ने भावनात्मक भूमिकाओं में भी गहरी छाप छोड़ी.

उनकी लगभग 300 से अधिक फिल्मों में वह दुर्लभ निरंतरता थी जो केवल कुछ ही अभिनेताओं के पास होती है .लगभग हर दशक में सुपरहिट फिल्में देना.

अभी ना जाओ छोड़के ... कि दिल अभी भरा नहीं ...

धर्मेंद्र की जिंदगी में अगर किसी रिश्ते ने सबसे ज्यादा जादू भरा, सबसे ज्यादा चर्चा पाई और सबसे ज्यादा सम्मान कमाया तो वह रिश्ता था हेमा मालिनी के साथ. यह सिर्फ एक फिल्मी जोड़ी नहीं थी, बल्कि भारतीय सिनेमा का एक अनन्त अध्याय थी जिसमें रोमांस, इज्ज़त, दोस्ती और गहरा मानवीय प्यार शामिल था. हेमा और धर्मेंद्र पहली बार 1970 के दशक की शुरुआत में साथ आए. फिल्मों में उनकी जोड़ी इतनी नैचुरल, इतनी सहज, इतनी खूबसूरत लगी कि दर्शक उन्हें पर्दे से बाहर एक साथ देखने लगे. एक वक्त ऐसा आया जब दोनों का नाम एक-दूसरे का पर्याय बन गया ‘ड्रीम गर्ल और ही-मैन.’ दोनों ने 1980 में शादी की और अपने रिश्ते को हमेशा गरिमा और निजीपन के साथ निभाया. उनकी दो बेटियाँ ईशा देओल और आहाना देओल धर्मेंद्र की जिंदगी की बड़ी खुशियाँ रहीं. धर्मेंद्र अक्सर कहते थे कि हेमा ने उनके जीवन में सादगी और संतुलन जोड़ा. उनका यह रिश्ता बॉलीवुड की सबसे सम्मानित और स्थायी जोड़ियों में गिना जाता है.

धर्मेंद्र के जीवन से जुड़े रोचक किस्से

सुरैया के बहुत बड़े फैन थे धर्मेन्द्र

बॉलीवुड के ही मैन धर्मेन्द्र , अभिनेत्री–गायिका सुरैया के बहुत बड़े फैन थे और उन्होंने उनकी फिल्म दिल्लगी 40 बार देखी थी. धर्मेन्द्र अपने चाहने वालों, खासकर महिलाओं के दिलों की धड़कन थे. महिलाएं उनके आकर्षक लुक और पर्सनैलिटी की दीवानी थीं. कई अभिनेत्रियां भी उन्हें दिल से पसंद करती थीं. हालांकि अपनी युवावस्था में धर्मेन्द्र बहुत बड़े फैन थे. धर्मेन्द्र, सुरैया की वर्ष 1949 में प्रदर्शित फिल्म ‘दिल्लगी’ से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इसे 40 से ज़्यादा बार देखा और कई बार मीलों चलकर सिनेमा हॉल तक जाते थे. धर्मेंद्र ने स्वीकार किया कि सुरैया को देखकर ही उन्हें फिल्मों में आने की प्रेरणा मिली. धर्मेंद्र ने एक बार खुलासा किया था कि वह सुरैया की खूबसूरती से इतने मंत्रमुग्ध थे कि उन्होंने उनकी फिल्म दिल्लगी 40 बार देखी थी. धर्मेंद्र ने बताया था कि वह सुरैया की फिल्में देखने का मौका पाने के लिए एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करते थे.’

धर्मेन्द्र की बहुत बड़ी फैन थी जया भादुड़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री जया भादुड़ी दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र की बहुत बड़ी फैन थी. धर्मेंद्र के प्रशंसक केवल आम दर्शक ही नहीं बल्कि बॉलीवुड की बड़ी–बड़ी हस्तियां भी रही हैं. अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन भी खुद धर्मेंद्र की बहद बड़ी फैन रही हैं. यह बात जया ने खुद धर्मेंद्र से खुद बताई थी. धर्मेंद्र ने इस बारे में एक बार बताया था कि जया उनकी बहुत बड़ी फैन थी.धर्मेंद्र ने बताया था कि उन्होंने एक फिल्म गुड्डी, जया के साथ की थी. उन्होंने बताया था कि जया का फोटोसेशन उनके घर पर हुआ था. इस दौरान जया ने उन्हें बताया था कि धरम जी, मैं तो आपकी बहुत बड़ी फैन रही हूं, मैं आपकी कटिंग रखती थी. वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म ‘गुड्डी’ में जया ने धर्मेंद्र के साथ काम किया था. इस फिल्म में जया ने गुड्डी का किरदार निभाया था जो सुपरस्टार धर्मेंद्र की दीवानी है.

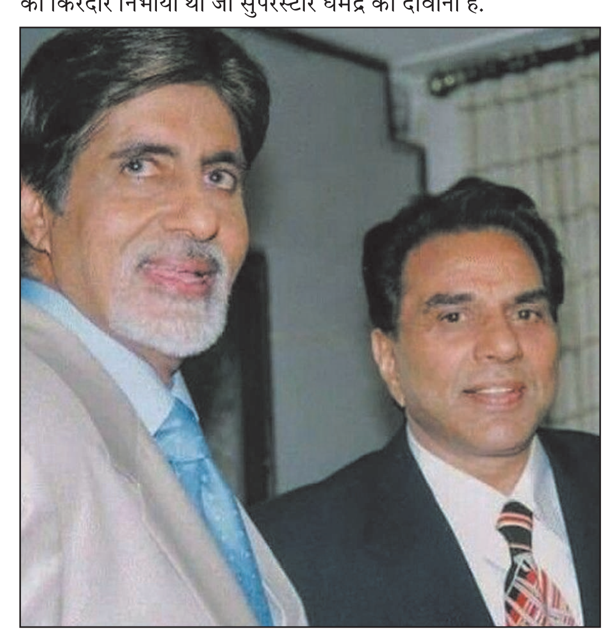

‘यारा हो यारा, मिलना हमारा ‘

धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन की दोस्ती बॉलीवुड की सबसे यादगार और प्यारी दोस्तियों में गिनी जाती है. शोले में वीरू और जय की जोड़ी सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि असल ज़िंदगी में भी दर्शकों के दिलों में बस गई. दोनों की मज़ाकिया बातें, एक–दूसरे का साथ और सेट पर की शरारतें आज भी कई सितारों और फैंस की यादों में ताज़ा हैं. अमिताभ अक्सर कहते थे कि धर्मेंद्र ने उन्हें भाई की तरह देखा और उनका हर रोल, हर फिल्म में साथ दिया. धर्मेंद्र के निधन पर अमिताभ ने भावुक होकर लिखा: ‘सुलझाएँ... और किसके साथ सुलझाएँ... हर दिन एक कठिनाई का पल है... और उसे सहन करने और जिंदा रहने की ताकत चाहिए. बिल्कुल भी नैतिकता नहीं... परेशान करने वाला और घृणित. ‘

सितारों ने नम आंखों से कहा अलविदा

सुष्मिता सेन की भावुक श्रद्धांजलि

सुष्मिता सेन ने धर्मेंद्र के साथ पुरानी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि धरम जी ‘एक लेजेंड और बेहद अच्छे इंसान’ थे. सुष्मिता ने लिखा कि बहुत कम लोग दुनिया को पहले से ज्यादा खूबसूरत बनाकर जाते हैं—धरम जी उन्हीं में से थे.

आज सिनेमा का आंगन ‘सूना हो गया’ : खेसारी लाल

आज सिनेमा का आंगन ‘सूना हो गया’ है और उनकी जगह कोई नहीं ले सकता. उन्होंने धर्मेंद्र को सिनेमा का अद्वितीय कलाकार बताया.

उनका जाना बेहद दुखद है : कपिल शर्मा

धर्मेंद्र के साथ फोटो साझा करते हुए लिखा कि उनका जाना बेहद दुखद है. उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र ने उन्हें पिता समान प्यार दिया और उनकी यादें हमेशा दिल में जीवित रहेंगी. कपिल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की.

धर्मेंद्र का जाना फिल्म जगत के लिए ‘अपूर्णीय क्षति’ : फरहान

फरहान अख्तर ने कहा कि धर्मेंद्र का जाना फिल्म जगत के लिए ‘अपूर्णीय क्षति’ है. उन्होंने देओल परिवार को इस शोक को सहने की शक्ति मिलने की कामना की.

वीरू को अंतिम विदाई देने पहुंचे सितारे

धर्मेंद्र उर्फ ‘ही–मैन’ को फिल्म इंडस्ट्री, परिवार और करोड़ों प्रशंसकों ने अंतिम विदाई दी. मुंबई के विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ. सुबह से ही उनके घर से एंबुलेंस समेत कई गाड़ियां श्मशान घाट के लिए रवाना हुईं. सफेद कपड़ों में ईशा देओल और हेमा मालिनी अपने परिवार के साथ श्मशान पहुंचीं. सनी देओल और बॉबी देओल भी भावुक मन से पहुंचे. परिवार के कई करीबी रिश्तेदार और मित्र भी अलग–अलग गाड़ियों से श्मशान स्थल पर आते दिखाई दिए. वातावरण पूरी तरह शोक से भरा रहा, जहां हर चेहरा धरम जी की यादों में डूबा था. अंतिम संस्कार के दौरान बॉलीवुड के कई दिग्गज नम आंखों के साथ मौजूद रहे. सलमान खान के पिता और वरिष्ठ लेखक सलीम खान, निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर समेत इंडस्ट्री की प्रमुख हस्तियों ने श्रद्धांजलि दी. सभी ने धर्मेंद्र के जाने को एक युग का समाप्त होना बताया. धर्मेंद्र के अंतिम दर्शन के लिए रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण भी पहुंचे. जायद खान समेत कई सितारों ने उन्हें आखिरी सलाम किया. रणवीर और दीपिका भावुक दिखे, और अंतिम संस्कार स्थल पर गम और शांति का माहौल बना रहा. धरम जी के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई. उनकी स्मृतियाँ उनकी मुस्कान, उनका देसी अंदाज़ और उनका मजबूत, दिलकश व्यक्तित्व आज हर किसी की आंखें नम कर गया. फिल्म इंडस्ट्री से लेकर आम लोगों तक, हर किसी ने ‘वीरू’ को अंतिम बार नमन किया और उनकी आत्मा की शांति की कामना की.

2004 में बने सांसद

धर्मेंद्र ने 2004 में राजस्थान की बीकनेर सीट से राजनीति में कदम रखा था. बीजेपी के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे धर्मेंद्र ने कांग्रेस प्रत्याशी रामेश्वर डूडी को करारी टक्कर दी थी. इस सीट पर मुकाबला कांटे का था. ऐसे में धर्मेंद्र की तरफ से उनके दोनों बेटे सनी देओल और बॉबी देओल ने भी बीकानेर में प्रचार किया था. नतीजतन पहले ही चुनाव में धर्मेंद्र ने बंपर जीत हासिल की और रामेश्वर डूडी को 57 हजार वोटों से शिकस्त दी थी. राजनीति धर्मेंद्र को रास नहीं आई और 5 साल सांसद रहने के बाद धर्मेंद्र ने सियासत से किनारा कर लिया. 2009 में उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा और हमेशा के लिए मुंबई लौट गए. धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी उत्तर प्रदेश के मथुरा से सांसद हैं. उनके बेटे सनी देओल भी पंजाब के गुरदासपुर सीट से सांसद रह चुके हैं.

धर्मेंद्र का मध्यप्रदेश से लगाव किसी कहानी से कम नहीं रहा

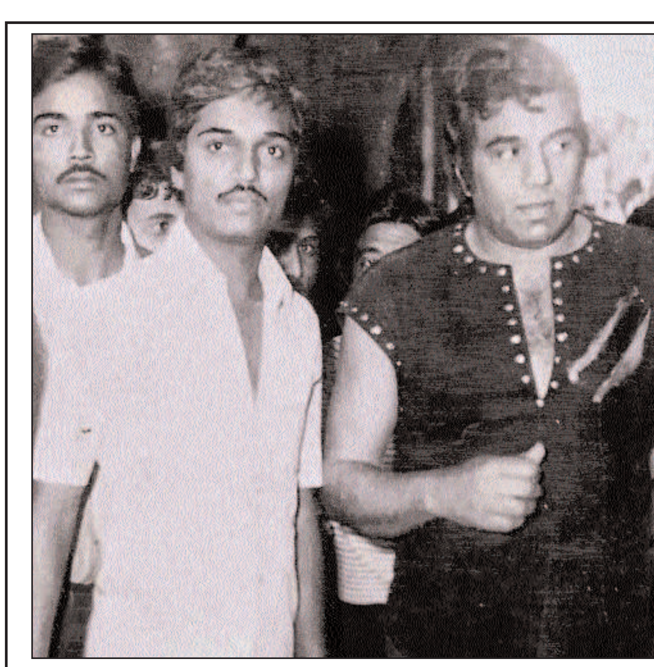

साल 1984 में मांडव (मांडू) की ऐतिहासिक धरोहरों के बीच जब फ़िल्म ‘जीने नहीं दूंगा’ की शूटिंग चल रही थी, तब पूरा इलाका उत्साह, ऊर्जा और भीड़ से भरा रहता था. इसी दौरान मांडव के शूटिंग स्थल पर ली गई यह दुर्लभ ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर एक अनमोल याद की तरह है.

तस्वीर में धर्मेन्द्र उस दौर की अपनी फ़िल्मी वेशभूषा में दिखाई दे रहे हैं.

पास में खड़े शरद यादव के चेहरे पर उस मुलाक़ात का गर्व, उत्साह और सम्मान आज भी तस्वीर में जिंदा है. इंदौर के शरद यादव सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं और ‘टंटिया भील’ फ़िल्म के प्रोड्यूसर भी हैं. शरद यादव वर्तमान में सक्रिय हैं. ‘ मांडव के ऐतिहासिक गलियारों में धर्मेन्द्र की मौजूदगी लोगों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं थी. जहाज़ महल से लेकर मंडपों तक– जहाँ भी शूटिंग होती, सेकड़ो लोग इकट्ठा हो जाते. धर्मेन्द्र ने हमेशा कहा कि मध्यप्रदेश के लोग सीधे दिल से जुड़ते हैं,

और यह फोटो उसी जुड़ाव का जीता-जागता प्रमाण है. इंदौर भी वो कई बार आए है.